21/9

पाठ - 8

है प्रीत जहाँ की रीत सदा

कठिन शब्द

1. मुश्किल
2. सभ्यता
3. जन्मी
4. प्रीत
5. प्यार
6. पत्थर
7. इतराता
8. चाँद

21/9

पाठ- 8

शब्दार्थ

1. अंदाजा - अनुमान
2. फूले-फले - समृद्ध होना
3. नाता - संबंध
4. नित - रोजाना
5. इतराना - गर्व करना
6. शीश - सिर

2/9

पाठ -8.

प्रश्नोत्तर (मौखिक)

प्र०1 भारत में किसकी रीत बताई है?
उत्तर भारत में प्रीत की रीत बताई है।

प्र०2 कौन-सी नदी है, जिसे 'माँ' कहा जाता है?
उत्तर गंगा नदी को माँ कहा जाता है।

प्र०3 कवि के इतराने (गर्व करने) का क्या कारण है?
उत्तर भारत में जन्म लेना कवि के इतराने का कारण है।

प्र०4 क्या आप कभी मंदिर या मसजिद गए हैं? वहाँ क्या होता है? आपने क्या किया? अपने अनुभव बताइये।
उत्तर मंदिर जाकर हमने पूजा की और भजन गाएँ। मसजिद जाकर नमाज पढ़ी।

22/9

पाठ-8

प्रश्नोत्तर (लिखित)

प्र०1 कौन-सी पंक्ति में कहा गया है कि यहाँ भेदभाव नहीं है?
उत्तर ग्यारहवीं पंक्ति में कहा गया है।

प्र०2 देश में किस बात की पवित्रता है, जिससे कवि का मन सिर झुकाने को करता है?
उत्तर देश में सभी को समान रूप से देखा जाता है यहाँ काले गोरे का भेद नहीं है। यहाँ के लोग बहुत पवित्र है इसलिए ~~इस~~ कवि का मन सिर झुकाने को करता है।

प्र०3 नदियों को माँ क्यों कहा जाता है? लिखिए।
उत्तर नदियों के अंदर माँ जैसी ममता होती है इसलिए हम उन्हे माता कहकर बुलाते हैं और उन्हें पूजते है।

प्र०4 'पत्थर भी पूजे जाते हैं'— कवि क्या कहना चाहते है?
उत्तर 'पत्थर भी पूजे जाते है' से कवि का आशय है कि हमारे भारत में अगर पत्थर को भी देवता मान लें तो उसको भी पूजा जाता है।

प्र०5 क्या दया, करुणा, सहानुभूति, भाईचारा, सरलता, सज्जनता आदि को हथियार कहा जा सकता है? इनसे क्या जीता जा सकता है?
उत्तर हाँ, दया, करुणा, सहानुभूति, भाईचारा, सरलता, सज्जनता आदि को हथियार कहा जा सकता है। इनसे दिलों को जीता जा सकता है।

लेखिनी से

भाषा कौशल– अवबोधन, चिंतन, कारण जानना, लिखित अभिव्यक्ति

1. कौन-सी पंक्ति में कहा गया है कि यहाँ भेदभाव नहीं है?
2. देश में किस बात की पवित्रता है, जिससे कवि का मन सिर झुकाने को करता है?
3. नदियों को 'माँ' क्यों कहा जाता है? लिखिए।
4. पत्थर भी पूजे जाते हैं– कवि क्या कहना चाहते हैं?
5. क्या दया, करुणा, सहानुभूति, भाईचारा, सरलता, सज्जनता आदि को हथियार कहा जा सकता है? इनसे क्या जीता जा सकता है?

भाषा से

भाषा कौशल– शुद्ध उच्चारण, पठन एवं लेखन, शब्द संपदा चयन एवं लेखन, भाषा प्रयोग

23/9/2020

बात वर्ण की

1. **उच्चारण कीजिए–** ज – जब, जाना, जहाँ, जीतना, पूजा
   ज़ – ज़ीरो, अंदाज़ा, ज़मीन, कागज़

ज और ज़ के उच्चारण में अंतर जानिए/समझिए। ज़ अंग्रेज़ी और उर्दू के शब्दों में आता है।

2. **उच्चारण कीजिए–** श – दशमलव, मुश्किल
   ष – भाषा, षटकोण

ऊपर लिखे शब्द पढ़िए और श/ष के उच्चारण के समय जीभ को ध्यान से देखिए। यह कैसे मुड़ती है, कहाँ मुड़ती है।

श/ष वाले दो-दो शब्द लिखिए–

श – दशमलव मुश्किल ष – भाषा षटकोण

बात शब्द की

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची चुनकर लिखिए–

तटिनी	ईश्वर	वसुधा	सरिता	संसार	आर्यावर्त
राकेश	जंबूद्वीप	चंद्रमा	जगत	पृथ्वी	परमात्मा

भारत – जंबूद्वीप ... आर्यावर्त
दुनिया – जगत ... संसार
चाँद – राकेश ... चंद्रमा

भगवान – ईश्वर ... परमात्मा
नदी – तटिनी ... सरिता
धरती – वसुधा ... पृथ्वी

2. निम्नलिखित उर्दू शब्दों के हिंदी समानार्थी शब्द लिखिए–

ज़ीरो – शून्य
अंदाज़ा – अनुमान

मुश्किल – कठिन
इनसान – मानव

3. निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए–

माता – मातृ
काला – कृष्ण
पत्थर – पाषाण

भगवान – भगवन्
गोरा – गौर
चाँद – चंद्र

बात वाक्य की

- **उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए–**
  - जहाँ माता कह के बुलाते हैं।
    जहाँ माता कहकर बुलाते हैं।

क. पहले जन्मी है जहाँ पे कला। ... पहले जन्मी है जहाँ पर कला

ख. ये सोच के मैं इतराता हूँ। ... ये सोचकर मैं इतराता हूँ

ग. उस धरती पे मैंने जन्म लिया। ... उस धरती पर मैंने जन्म लिया

ध्यान दीजिए– कह के, जहाँ पे, सोच के, धरती पे

– गीत में लय हो इसलिए ये शब्द लिखे गए हैं।